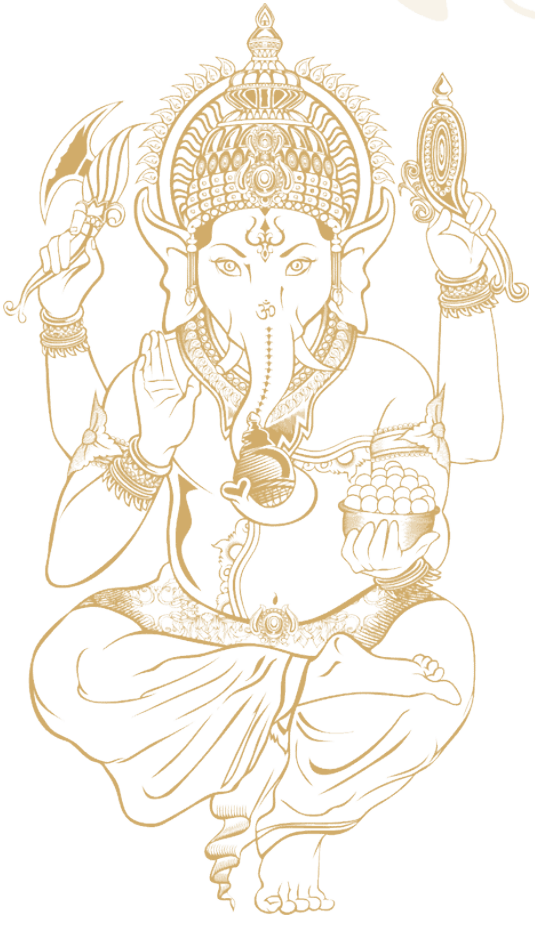

Arjun Sharma

15 Aug 1991

09:12 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121082003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/08/1991**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:12:00 घंटे**
इष्ट	38:25:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:50:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	18:25:03 घंटे
सूर्योदय	05:49:56 घंटे
सूर्यास्त	19:00:58 घंटे
दिनमान	13:11:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:34:39 कर्क
लग्न के अंश	15:11:10 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:11:10	511:53:38	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			कर्क	28:34:39	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	10:37:00	12:47:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	25:39:20	00:37:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	सिंह	09:34:07	00:39:33	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	सिंह	00:16:10	00:13:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	09:42:52	00:31:05	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	08:20:56	00:04:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	24:41:06	00:02:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	24:41:06	00:02:30	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:34:21	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		धनु	20:41:04	00:01:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	23:54:27	00:00:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			धनु	12:00:30	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:41

लग्न-चलित

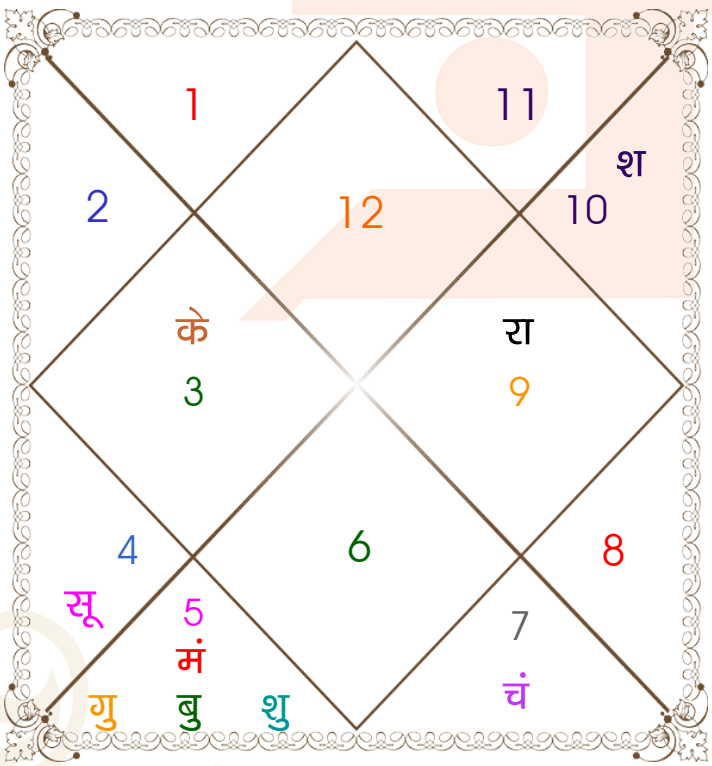

चन्द्र कुंडली

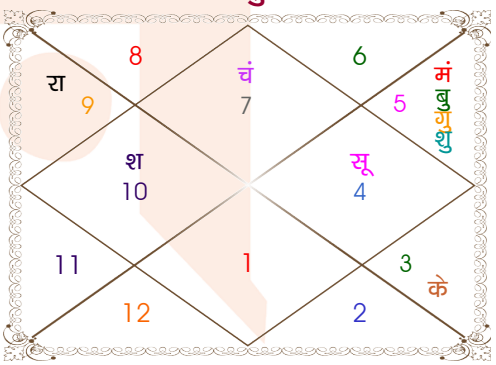

नवमांश कुंडली

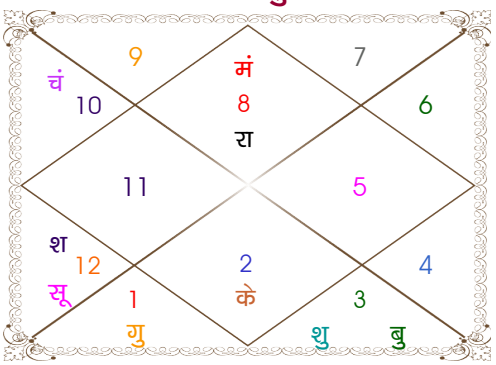

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 8 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/08/1991		15/04/2004		15/04/2020		16/04/2039		15/04/2056	
15/04/2004		15/04/2020		16/04/2039		15/04/2056		16/04/2063	
	00/00/0000	गुरु	03/06/2006	शनि	19/04/2023	बुध	12/09/2041	केतु	11/09/2056
	15/08/1991	शनि	15/12/2008	बुध	27/12/2025	केतु	09/09/2042	शुक्र	11/11/2057
शनि	28/03/1994	बुध	23/03/2011	केतु	05/02/2027	शुक्र	10/07/2045	सूर्य	19/03/2058
बुध	15/10/1996	केतु	26/02/2012	शुक्र	07/04/2030	सूर्य	16/05/2046	चंद्र	18/10/2058
केतु	02/11/1997	शुक्र	27/10/2014	सूर्य	20/03/2031	चंद्र	16/10/2047	मंगल	16/03/2059
शुक्र	02/11/2000	सूर्य	16/08/2015	चंद्र	18/10/2032	मंगल	12/10/2048	राहु	03/04/2060
सूर्य	27/09/2001	चंद्र	15/12/2016	मंगल	27/11/2033	राहु	01/05/2051	गुरु	10/03/2061
चंद्र	29/03/2003	मंगल	21/11/2017	राहु	03/10/2036	गुरु	06/08/2053	शनि	19/04/2062
मंगल	15/04/2004	राहु	15/04/2020	गुरु	16/04/2039	शनि	15/04/2056	बुध	16/04/2063

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/04/2063		16/04/2083		15/04/2089		16/04/2099		17/04/2106	
16/04/2083		15/04/2089		16/04/2099		17/04/2106		00/00/0000	
शुक्र	15/08/2066	सूर्य	04/08/2083	चंद्र	14/02/2090	मंगल	12/09/2099	राहु	28/12/2108
सूर्य	16/08/2067	चंद्र	02/02/2084	मंगल	15/09/2090	राहु	01/10/2100	गुरु	23/05/2111
चंद्र	15/04/2069	मंगल	09/06/2084	राहु	16/03/2092	गुरु	06/09/2101	शनि	16/08/2111
मंगल	16/06/2070	राहु	04/05/2085	गुरु	16/07/2093	शनि	16/10/2102		00/00/0000
राहु	15/06/2073	गुरु	20/02/2086	शनि	14/02/2095	बुध	14/10/2103		00/00/0000
गुरु	14/02/2076	शनि	02/02/2087	बुध	15/07/2096	केतु	11/03/2104		00/00/0000
शनि	16/04/2079	बुध	09/12/2087	केतु	14/02/2097	शुक्र	11/05/2105		00/00/0000
बुध	14/02/2082	केतु	15/04/2088	शुक्र	15/10/2098	सूर्य	16/09/2105		00/00/0000
केतु	16/04/2083	शुक्र	15/04/2089	सूर्य	16/04/2099	चंद्र	17/04/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 8 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।